POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.-III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन में असमानता

लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन में अनेक समानताएं होते हुए भी कतिपय असमानताएं भी पाई जाती हैं जो इस प्रकार हैं —

① लाभ का तत्व :-

निजी प्रशासन का मूल आधार लाभ प्राप्त करना है, लोक प्रशासन का मूल आधार जनकल्याण है। वह लाभ प्राप्ति के पीछे न दौड़कर लोककल्याण की दृष्टि से कार्य करता है।

② सेवा की भावना :-

लोक प्रशासन जनता की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सेवा की भावना से कार्य करता है। वह सामाजिक जीवन, सभ्यता, संस्कृति और विकास को सम्भव बनाता है।

③ सार्वजनिक उत्तरदायित्व :-

निजी प्रशासन जनता के प्रति उस रूप में जिम्मेदार नहीं होता जिस प्रकार लोक प्रशासन होता है। कोई भी निर्णय लेने से पहले प्रशासकों को इस बात पर ध्यान देना होता है कि उस पर जनता की सम्भावित प्रतिक्रिया क्या होगी।

④ कानूनों व नियमों का प्रभाव :-

लोक प्रशासन कानूनों व नियमों से अधिक नियमित रहता है।